आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण स्थान : आरोग्यधाम, चित्रकूट

भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं सी.एस.आई.आर.-केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आरोग्यधाम, चित्रकूट में सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत दिनांक *18.10.2024* को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती तथा कृषिवानिकी के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), म.प्र. विशिष्ट अतिथि रीति पाठक, सीधी विधानसभा क्षेत्र, अभय महाजन, संगठन सचिव, दीनदयाल अनुसंधान संस्थान (डीआरआई), चित्रकूट, संजय सराफ, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, म.प्र., डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.वा. अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ। डॉ. अनीता तोमर, ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है साथ ही किसानों की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधों की खेती को बेहतर विकल्प बताया, किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नयी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्य अतिथि कृष्णा गौर ने इस कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए भारतीय पारम्परिक किचन गार्डेन को सर्वोत्तम बताते हुए, औषधीय पौधों की कृषिवानिकी करने पर जोर दिया। अपने देश में उत्पादित विभिन्न स्वदेशी वनस्पतियों का निर्यात अन्य देशों में अधिक लाभ श्रजित कर सकते हैं। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और शोध परिणाम साझा किए। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कृषि वानिकी के साथ औषधीय पौधों की खेती पर अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होने इस पद्धति से किसानों को होने वाले लाभों और औषधीय पौधों की खेती के महत्व और उसकी आर्थिक सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला।

राम प्रवेश यादव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ ने सीमैप संस्थान और एरोमा मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, दीपक कुमार वर्मा, तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ द्वारा औषधीय एवं सगंध पौधों की जैसे पामारोजा, तुलसी एवं खस की उन्नत कृषि तकनीकी, आसवन एवं विपणन विषय पर प्रतिभागियों से विस्तार से चर्चा की, कार्यक्रम के दौरान कर्टेन रेजर

अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव *IISF-2024* के अन्तर्गत नीबू घास की उन्नत पौध सामग्री को किसानों के बीच वितरण किया गया। तत्पश्चात नवीन कुमार, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ ने नींबू घास की उन्नत कृषि तकनीकों और इसके लाभकारी पहलुओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की आर्थिक समृद्धी और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोधार्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। चित्रकूट और आस-पास के क्षेत्रों के *100* से अधिक किसानों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और औषधीय एवं संगंध पौधों की खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। राम प्रवेश यादव, सीएसआईआर-सीमैप की टीम ने सभी किसानों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। अन्त में दीपक कुमार वर्मा, तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

dbi
योजना तथा सिड्बी सह-परियोजन
त्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर
की प्रशिक्षण कार्यक्रम
अक्टूबर 2024
धीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ
तिक पुर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज,
दयाल शोध संस्थान, चित्रकूट
चित्रकूट, सतना,

sidbi
सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजन
के अन्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर
कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 18 अक्टूबर 2024

sidbi
सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजना
के अन्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर
कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 18 अक्टूबर 2024
सहयोग : भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, उ.प्र.
स्थानीय सहयोग : दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट
प्रशिक्षण स्थान : आरोग्यधाम चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश।

sidbi
सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना
के अन्तर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों पर
कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 18 अक्टूबर 2024

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने नई तकनीकियों को अपनाने की जरूरत : गौर

स्टार समाचार | सतना

आरोग्यधाम में सीएसआईआर- एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर -केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप) लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र प्रयागराज के संयोजन से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृष्णा गौर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने किया जबकि विशिष्ट अतिथि

सीधी विधायक रीति पाठक, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय सराफ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश रहे। मुख्य अतिथि कृष्णा गौर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने इस कार्यशाला के लिए सीमैप की प्रशंसा की।

विशिष्ट अतिथि विधायक रीति पाठक ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधों की खेती को बेहतर विकल्प बताया। स्वागत भाषण वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज डॉ. अनीता तोमर ने दिया।

उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा

राम प्रवेश यादव (सीएसआईआर-सीमैप लखनऊ) ने सीमैप संस्थान और एरोमा मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि दीपक कुमार गुप्ता (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने रोहिसोफिया और तुलसी उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा की। अंत में नवीन कुमार (सीएसआईआर-सीमैप लखनऊ) ने नींबूघास की उन्नत कृषि तकनीकों और इसके लाभकारी पहलुओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

मोटे अनाज की खेती करने की जरूरत : महाजन

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया कि भारतीय पारंपारिक किचन गार्डन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर जोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। आजीविका मिशन संजय सराफ ने बताया कि हम भी अपने देश में उत्पादित विभिन्न स्वदेशी वनस्पतियों का निर्यात अन्य देशों में अधिक लाभ सृजित कर सकते हैं।

स्टार समाचार सतना

PCI APPROVED
MANOJ JAIN MEMORIAL COLLEGE OF PHARMACY
SHAIRGANJ SATNA

नई तकनीक अपनाकर ही किसान आर्थिक रूप से सक्षम बनेगा : मंत्री कृष्णा गौर

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति आरोग्यधाम में कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण

आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रदेश टुडे संवाददाता, सतना

केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि रीति पाठक, विधायक सीधी, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय सराफ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। विशिष्ट अतिथि विधायक रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया। मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में

बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने इस कार्यशाला के लिए सीमैप की प्रशंसा की। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया की भारतीय पारंपारिक किचन गार्डेन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर जोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। अंत में श्री राम प्रवेश यादव, सीएसआईआर - सीमैप की टीम ने सभी किसानों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की आर्थिक समृद्धि और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती करें किसान

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

चित्रकूट। आरोग्यधाम में सीएसआईआर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सहपरियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल सहतकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान लखनऊ, पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मप्र शासन की राज्य मंत्री कृष्णा गौर व विशिष्ट अतिथि सीधी विधायक रीति पाठक, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन संजय सरीफ ने दीप प्रज्ज्विलत कर किया। वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता के साथ ही कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है। राज्य मंत्री ने किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया। विधायक ने किसानो से औषधीय पौधो की खेती करने की अपील की। संगठन सचिव श्री अन्न की खेती को फिर से अपनाने पर जोर दिया। साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। सीएसआईआर के राम प्रवेश यादव ने मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। दीपक गुप्ता ने रोहिसोफिया और तुलसी उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा की।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता के लिए आरोग्यधाम में कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए नई तकनीकियों को अपनाने की जरूरत : मंत्री कृष्णा गौर

आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर - केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ।

चित्रकूट (मारुति एक्सप्रेस)। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीति पाठक, विधायक सीधी, श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, श्री संजय सराफ़ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है विशिष्ट अतिथि विधायक श्रीमती रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया।उ मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होने इस कार्यशाला के लिए सीमैप की प्रशंसा की। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया की भारतीय पारंपारिक किचन गार्डेन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर ज़ोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी।

आजीविका मिशन संजय सराफ़ ने बताया कि हम भी अपने देश में उत्पादित विभिन्न स्वदेशी वनस्पतियों का निर्यात अन्य देशों में अधिक लाभ सृजित कर सकते हैं। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और शोध परिणाम साझा किए। डॉ. अनीता तोमर (वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज) ने कृषि वानिकी के साथ औषधीय पौधों की खेती पर अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने इस पद्धति से किसानों को होने वाले लाभों और औषधीय पौधों की खेती के महत्व और उसकी आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। श्री राम प्रवेश यादव (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने सीमैप संस्थान और एरोमा मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि श्री दीपक कुमार गुप्ता (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने रोहिसोफिया और तुलसी उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा की। अंत में, श्री नवीन कुमार (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने नींबूघास की उन्नत कृषि तकनीकों और इसके लाभकारी पहलुओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। अंत में श्री राम प्रवेश यादव,सीएसआईआर-सीमैप की टीम ने सभी किसानों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की आर्थिक समृद्धि और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्धी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता के लिए आरोग्यधाम में कौशल, सह- तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए नई तकनीकियों को अपनाने की जरूरत : मंत्री कृष्णा गौर

चित्रकूट,(प्रचण्ड शक्ति न्यूज)। आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि रीति पाठक, विधायक सीधी, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय सराफ़ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है। विशिष्ट अतिथि विधायक रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया।

मुख्य अतिथि कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होने इस कार्यशाला के लिए सीमैप की प्रशंसा की। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया की भारतीय पारंपारिक किचन गार्डेन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर ज़ोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। आजीविका मिशन संजय सराफ़ ने बताया कि हम भी अपने देश में उत्पादित विभिन्न स्वदेशी वनस्पतियों का निर्यात अन्य देशों में अधिक लाभ सृजित कर सकते हैं। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और शोध परिणाम साझा किए। डॉ. अनीता तोमर (वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज) ने कृषि वानिकी के साथ औषधीय पौधों की खेती पर अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने इस पद्धति से किसानों को होने वाले लाभों और औषधीय पौधों की खेती के महत्व और उसकी आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। राम प्रवेश यादव (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने सीमैप संस्थान और एरोमा मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि दीपक कुमार गुप्ता (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने रोहिसोफिया और तुलसी उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा की। अंत में, नवीन कुमार (सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ) ने नींबूघास की उन्नत कृषि तकनीकों और इसके लाभकारी पहलुओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। अंत में राम प्रवेश यादव, सीएसआईआर-सीमैप की टीम ने सभी किसानों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की आर्थिक समृद्धि और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह व अन्य लोग उपस्थित रहे। चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने नई तकनीकियों को अपनाने की जरूरत : कृष्णा गौर

चित्रकूट,एमपीजेएस न्यूज

आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर - केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीति पाठक, विधायक सीधी, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है। विशिष्ट अतिथि विधायक श्रीमती रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया की भारतीय पारंपारिक किचन गार्डेन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर जोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। अंत में राम प्रवेश यादव, सीएसआईआर-सीमैप की टीम ने सभी किसानों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की आर्थिक समृद्धि और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

किसानों की आर्थिक सशक्ता के लिए तकनीकि जरूरी : गौर

नवभारत न्यूज

सतना / चित्रकूट. आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम सीएसआईआर - केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि

श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीति पाठक, विधायक सीधी, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय सरा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है विशिष्ट अतिथि विधायक श्रीमती रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया। मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती करें किसान

आरोग्य धाम में कौशलसह तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

शुभारंभ करते राष्ट्रीय संगठन सचिव।

चित्रकूट। आरोग्यधाम में सीएसआईआर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सहपरियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल सहतकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान लखनऊ, पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केंद्र प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मप्र शासन की राज्य मंत्री कृष्णा गौर व विशिष्ट अतिथि सीधी विधायक रीति पाठक, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन संजय सरीफ ने दीप प्रज्विलत कर किया। वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूकता के साथ ही कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है। राज्य मंत्री ने किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने पर बल दिया। विधायक ने किसानो से औषधीय पौधो की खेती करने की अपील की। संगठन सचिव श्री अन्न की खेती को फिर से अपनाने पर जोर दिया। साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। सीएसआईआर के राम प्रवेश यादव ने मिशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। दीपक गुप्ता ने रोहिसोफिया और तुलसी उत्पादन की उन्नत कृषि तकनीकों पर चर्चा की। नवीन कुमार ने नींबू घास की उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में किसानों को बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर प्रयागराज से स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वदेश

सतना - नव स्वदेश

19 Oct 2024

कार्यशाला — औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती के लिए कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन

नई तकनीकियों को अपनाने की जरूरत : कृष्णा गौर

चित्रकूट । आरोग्यधाम में सीएसआईआर-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर - केंद्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के संयोजन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मध्यप्रदेश शासन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रीति पाठक विधायक सीधी, अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, संजय सराड अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन मध्यप्रदेश के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई तकनीकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो उनकी कृषि उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होने इस कार्यशाला के लिए सीमैप की प्रशंसा की।

अतिथियों ने दिया उद्बोधन

इस दौरान वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज से डॉ. अनीता तोमर ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतरी के अवसर प्रदान करना है विशिष्ट अतिथि विधायक श्रीमती रीति पाठक ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए औषधीय पौधो की खेती को बेहतर विकल्प बताया।दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने बताया की भारतीय पारंपारिक किचन गार्डेन को सर्वोतम्म बताते हुए, श्री अन्न (मोटे अनाज) की खेती को फिर से करने पर जोर दिया, साथ ही आरोग्य धाम में औषधीय वाटिका की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रयागराज से आए शोर्थी स्वाति प्रिया, सत्यव्रत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।